ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-6* September-2020
Anthology : The Research

छत्तीसगढ़ पर ई–कामर्स का प्रभाव
Impact of E-commerce On Chhattisgarh

Paper Submission: 00/00/2020, Date of Acceptance: 00/00/2020, Date of Publication: 00/00/2020

स्वाती शर्मा
शोध छात्रा,
वाणिज्य विभाग,
पण्डित रवि शंकर
विश्वविद्यालय, रायपुर,
छत्तीसगढ, भारत

एस. आर. ठाकुर
प्राध्यापक,
वाणिज्य विभाग,
शासकीय वी.वाइ.टी.पी.जी.
कालेज, दुर्ग,
छत्तीसगढ, भारत

सारांश

भारत एक विकासशील देश है। भारत में ई–कामर्स बाजार उछाल में है। और छत्तीसगढ़ की बात की जाये तो छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित होने वाला प्रदेश है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य है। छत्तीसगढ़ में ई–कामर्स की स्थिति तथा इंटरनेट की स्थिति के बारे में चर्चा करना। इस अध्ययन से पता चलता है कि लोग ई–कामर्स को अपना रहे है, तथा ई–कामर्स ने छत्तीसगढ़ के लोगो की जीवनशैली को भी प्रभावित कर रहा है।

India is a developing country. the e- commerce market is an boom and talking about Chhattisgarh,Chhattisgarh is a rapidly developing state.The main objective of this study is to discuss about the status of e-commerce and internet in Chhattisgarh. The Study shows that people are adopting e-commerce ande-commerce is also affecting, The life style of the people of Chhattisgarh.

मुख्य शब्द : ई–कामर्स, छत्तीसगढ़।
E-commerce,Chhattisgarh.

प्रस्तावना

ई–कामर्स क्या है। ई–कामर्स का मतलब होता है। इलेक्ट्रानिक कामर्स। इंटरनेट का उपयोग करके व्यवसाय करना ई–कामर्स कहलाता है। (Simon, Geroge & Soju 2011) वाणिज्य के इलेक्ट्रानिक संस्करण को ई–कामर्स के रूप में माना जाता है। (Kumar 2012) का कहना है कि ई–कामर्स का मतलब केवल इंटरनेट और कम्प्यूटर नेटवर्क पर माल और सेवाओं की खरीदी ओर बिक्री नही बल्कि विकास, विपणन, बिक्री, वितरण सेवा और भुगतान की पूरी ऑनलाइन प्रकिया ई–कामर्स के अंतर्गत आते है।

छत्तीसगढ़ :–

1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया गया था। यह मध्य भारत में स्थित है। और इसमें वन खनिज संसाधन है। इसमें कई स्थानीय जनजातिया है। जिनकी अपनी अनूठी संस्कृति है। छत्तीसगढ़ भारत में सबसे तेजी से विकासशील राज्यों से एक है। 2011 की जनगणना 255,40,196 थी। जिनमें 12,827,915 पुरूष और 12,712,281 महिला थे। राज्य की साक्षरता दर 70.28% थी। जिसमें से पुरूष साक्षरता 80.27% थी महिला 60.24% थी।

अध्ययन का उद्देश्य

1. छत्तीसगढ़ में ई–कामर्स की वर्तमान स्थिति को समझना।
2. इंटरनेट और वर्ल्ड वाइड बेब ने किस प्रकार छत्तीसगढ़ के लोगो की जीवन शैली को प्रभावित किया है।

साहित्यावलोकन

(Mitra Abhijit 2013) ने सुझाव दिया है कि ई–कामर्स ने अभी तक एक और क्रांति ला दी है। जो व्यवसायों में उत्पादों और सेवाओं को खरीदने और बेचने के तरीको को बदल रही है। नई पध्दतियां विकसित हुई है। व्यवसायिक संबंध बनाने में भौगोलिक दूरिया की भूमिका कम हो जाती है। इंटरनेट की तेजी से विस्तार के साथ ई–कामर्स 21 वी सदी में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। जो नए अवसर खुले में फेक दिये जायेगे वे बडे निगमों और छोटी कंपनियों दोनो के लिए सुलभ होंगे। सरकार की भूमिका ई–कामर्स के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करना ताकि घरेलू और अंतराष्ट्रीय व्यापार को अपने क्षितिज का विस्तार करने की अनुमति दी जाये। लेकिन निजता बौध्कि संपदा, धोखाधडी की रोकथाम उपभोक्ता संरक्षण आदि जैसे बुनियादी अधिकारों का ध्यान रखा जाता है।

(Chanana Nisha and Goele Sangeeta 2012) का प्रस्ताव है कि ई–कामर्स के भविष्य की भविष्यवाणी करना मुश्किल है। भविष्य में बढने वाले विभिन्न खण्ड है। यात्रा और पर्यटन इलेक्ट्रानिक उपकरण, हार्डवेयर उत्पाद और परिधान । कुछ आवश्यक कारक भी है। जो भारत में ई–कामर्स उद्योगो को तेजी से महत्वपूर्ण योगदान देगी अर्थात प्रतिस्थापन गारंटी, एम कामर्स सेवाएं, स्थान आधारित सेवाएं, कई भुगतान विकल्प, ऑनलाइन लेनदेन त्वरित सेवा। उत्पाद की गुणवत्ता पोर्टल पर दिखाया जाना चाहिए। समर्पित ग्राहक सेवा केन्द्र होना चाहिए।

(Jiredilok et al. 2014) ने कहा कि ई–कामर्स इस प्रौद्योगिक युग में ऑनलाइन व्यापार करने का एक तरीका है। सूचना की खोज, सूचनाओं को आदान प्रदान खरीद और बिक्री से संबंधित लेन देन और उपभोक्ता संबंधों का रखरखाव इलेक्ट्रानिक रूप से संभव है।

शोध प्रश्न

1. छत्तीसगढ़ निवासी इंटरनेट का किस प्रकार उपयोग करते है।
2. ई–कामर्स ने किस प्रकार जीवन शैली को प्रभावित किया है।

भारत में ई–कामर्स की स्थिति

भारत में इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या जुलाई 2019 में 475 मिलयन हो गयी है। जो भारत की कुल जनसंख्या का 40% हिस्सा है। यह संख्या 2019 के अंत तक बढ़कर 627 मिलियन हो जायेगा।

भारत में ई–कामर्स का बाजार 2009 में 3.9 $ बिलियन था। India goes Digital रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ई–कामर्स का मार्केट वर्ष 2011 में 6.3 $ बिलियन था। वर्ष 2013 में 12.6 बिलियन था 2014 में 35 $ बिलियन था। तथा यह 51 % भी वृध्दि के साथ 2020 में 120 $ बिलियन तक पहुंच जाने की संभावना है। (wwwibf.org)

भारत में ई–कामर्स का बाजार
बिलियन डालर में

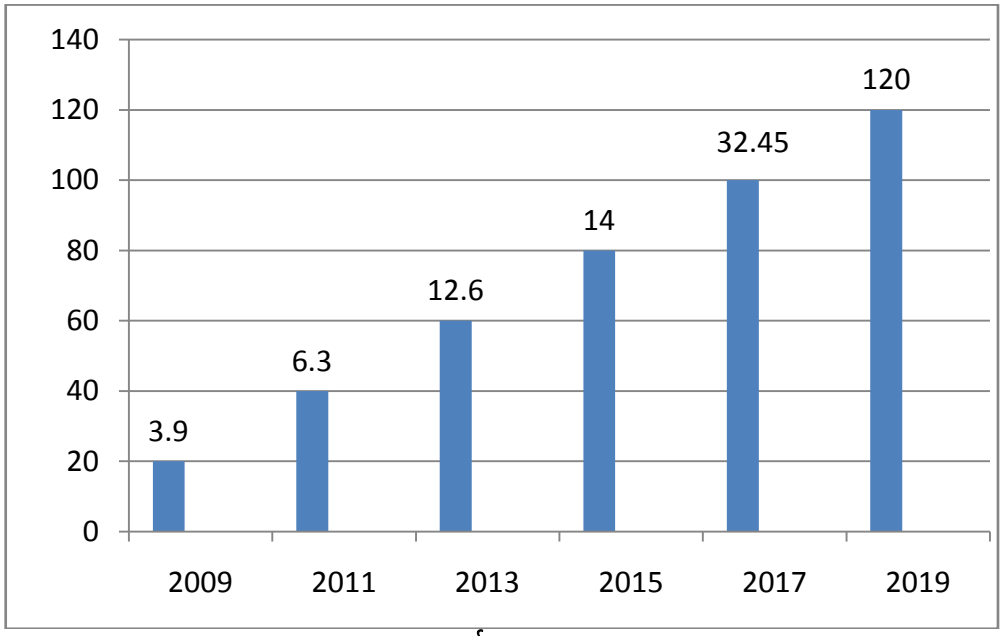

छत्तीसगढ़ में ई–कामर्स की स्थिति

छत्तीसगढ़ में ईकामर्स की स्थिति अभी अच्छी है। यह भारत का तेजी से बढ़ता हुआ प्रेशर है। तथा इंटरनेट उपयोग की बात की जाये ड्राई के आंकडों के अनुसार इंटरनेट यूजर की संख्या (मध्यप्रदेश + छत्तीसगढ़) दिसम्बर 2017 में 23.18 मिलियन हो गयी है। सोशल नेटवर्क साइट की बात की जाये तो 2018 में छत्तीसगढ़ 2.8 मिलियन से 3 मिलियन फेस बुक यूजर है। 6.6 लाख इंस्टाग्राम यूजर है। (Blue.BAWYAN.ocom)

शोध का तरीका

वर्तमान शोध के लिए समंकों का संकलन प्राथमिक व द्वितीय स्त्रोत से लिया गया है। प्राथमिक समंकों को एकत्रित करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर, बिलासपुर तथा दुर्ग जिले के लोगो से प्रश्नावली का प्रयोग करके ई–कामर्स के प्रभाव के बारे में राय ली गई है। यह शोध 225 लोगो पर किया गया है। द्वितीय समंको के लिए समाचार पत्र, जर्नल, इंटरनेट का प्रयोग किया गया है।

शोध की सीमाएं

यह शोध 225 लोगो पर किया गया है। जो छत्तीसगढ़ की जनसंख्या का 0.00008 प्रतिशत है। जो बहुत कम प्रतिशत है। अतः यह पूर्ण सत्य नहीं कहा जा सकता है।

विश्लेषण और परिणाम

प्राथमिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मोबाइल फोन इंटरनेट का उपयोग बढ़ रहा है। 225 उत्तरदाताओं में से 70 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाता विभिन्न प्रकार की इंटरनेट आधारित

सुविधाओं का उपयोग करते पाये गये । जिनमें ई–बैंकिग ई– एजुकेशन यातायात सुविधाएं संचार ई–कामर्स, ई–कृषि इत्यादि शामिल थी।

90 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने माना कि ई–कामर्स की वजह से उनकी व्यापारिक कुशलता में प्रभावी रूप से बढोतरी हुई है। ई–कामर्स की वजह से उन्हें वस्तुएं और सेवाएं आसानी से प्राप्त हो रही है। ई–कामर्स की वजह से वे वैश्विक स्तर पर वस्तुएं एवं सेवाएं प्राप्त कर रहे है।

50 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने माना कि उत्पाद की डिलवरी में ज्यादा समय लगना ई–कामर्स की समस्या है। तथा 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नकली उत्पाद प्राप्त होने की समस्या का सामना किया।

निष्कर्ष

शोध से यह परिणाम निकलता है कि छत्तीसगढ़ के लोग ई–कामर्स को अपना रहे है तथा खरीदारी कर रहे है। किन्तु उन्हें नकली उत्पाद तथा समय पर डिलवरी न होने की समस्या का सामना करना पड़ रह है। अतः कम्पनियों को अपनी वितरण प्रणाली पर कार्य करना चाहिए। तथा समय पर उत्पाद को उपभोक्ताओं के घर पहुंचाना चाहिए। नकली उत्पाद की समस्या को दूर करना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *Chanana Nisha and Goele Sangeeta "Future of e-commerce i India" International Journal of Computing & Business Research ISSN (Online) 2229-6166*
2. *IBEF Report on Chhattisgarh http://www.ibef.org/download/Chhattisgarh*
3. *www.ibef.org*
4. *http://wwwgensus 2011.co.in state*
5. *Mitra Abhisit(2013) e-commerce in India a review "International Journal of Marketing Finiancial services & Management research Vol-2 No- 2 PP126-132*
6. *www.Blue BANIYAN.com*
7. *Jiradilok, T. Malisuwans, madan N & Sivaraks J (2014) The impact of customer satisfaction on online purchasing A case study Analysis on online purchasing A case study Analysis in Thailand Journal of Economics Business and Management 2(1) 3-11, http://doi-org//O-7763/JOEBM 2014 V 2-89*
8. *Kumar V. (2012) Adoption of E-commerce Customers perpective in the India Context, University of Jammu.*
9. *Simon B George R.A. & Soju (2011) E-commerce and General informatics (2nd ed) New Delhi Kalyani publisher.*